देव टाइम्स
www.devtimes.in

पालीथीन के स्थान पर जूट बैग का उपयोग पर्यावरण सुरक्षा में मददगार

April 20, 2018 8 Views

लखनऊ : पर्यावरण के सुरक्षा में घातक साबित हो रही पालीथीन के इस्तेमाल को रोकने के लिये विरामखड में रह रहे प्रो0 भरत राज सिह, जो स्कूल ओफ मैंनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ के महानिदेशक हैं, पिछले दस वर्षो से जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इसके तहत वह लोगों को पालीथीन का उपयोग बंद करने और कपडे, जूट और कागज के थैले का इस्तेमाल करने के लिये प्रोत्साहित कर रहे हैं।

डा0 भरत राज सिह, उत्तर-प्रदेश राजकीय निर्माण निगम से वर्ष 2004 में प्रबंध-निदेशक के पद से सेवानिवृत होने के बाद प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया तथा जूट के बैग के उपयोग को बढावा देना शुरू किया। गोमतीनगर के विराम खंड-5 मे घर-घर जाकर जूट व कपडे के बैग बाटने लगे। कुछ दिनो में उनके साथ कालोनीके दूसरे वुजुर्ग लोग भी इनके इस अभियान में शामिल हो गये । डा0 भरत सिह कहते हैं कि लखनऊ की आबादी लगभग 43 लाख है और करीब 25-30 करोड बैग का इस्तेमाल प्रतिमाह किया जा रहा है। इससे जमीन, पानीऔर हवा सब प्रदूषित होती है। इसका खामियाजा आने वाली पीढी को उठाना पडेगा।

डा0 सिह का कहना है कि पालीथीन सडको से नालो से जाता है, जो शहर का ड्रैनेज सिस्टेम चौपट करता है। जानवर भी पालीथीन खा जाते है। इन सब कॉ रोकने के लिये ही उन्होने लोगों को धर-घर जाकर जूट व कपडे के थैले के फायदे बताने शुरू किया। वह लोगों को अपनी गाडी या स्कूटर में हमेशा एक जूट या कपडे के बैग रखने और खाने-पीने की चीजो को कागज या पत्ते की प्लेटो मे लेने के लिये जागृत करते हैं। साथ ही वह लोगो को पालीथीन के उपयोग के खतरो के बारे मे जानकारी देते हैं।

डा0 सिह ने बायोडिग्रेडेबल (स्वाभाविक तरीके से नष्ट होने वाला) कपास या जूट बैग के इस्तेमाल को बढावा दिया। उनका मानना है कि ऐसा करने से शहर मे आधे से ज्यादा कूडे का संकट समप्त हो जायेगा। मौजूदा वक्त वह एस0एम0एस0 के छात्रो को प्राक्रितक संसाधनो से बने थैले का उपयोग करने की सलाह देते है। दुकानो पर जूट से बने बैग की संख्या बढाने के लिये इसके उत्पादन मे नई-नई डिजाइन की सलाह देते हैं और अपना पैसा भी लगाते हैं। कालोनी के लोग इस मुहिम मे बढ-चढकर भाग ले रहे हैं।